satviKly

PURE · SATVIK · PUJA ESSENTIALS

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥

श्री सत्यनारायण भगवान की आरती

SATYANARAYAN BHAGWAN AARTI

ॐ जय लक्ष्मी रमणा, स्वामी जय लक्ष्मी रमणा।
सत्यनारायण स्वामी, जन-पातक-हरणा॥

ॐ जय लक्ष्मी रमणा, स्वामी जय लक्ष्मी रमणा॥

रत्नजड़ित सिंहासन, अद्भुत छवि राजे।
नारद करत नीराजन, घंटा ध्वनि बाजे॥

ॐ जय लक्ष्मी रमणा, स्वामी जय लक्ष्मी रमणा॥

प्रगट भये कलि कारण, द्विज को दर्श दियो।
बूढ़ो ब्राह्मण बनकर, कंचन महल कियो॥

ॐ जय लक्ष्मी रमणा, स्वामी जय लक्ष्मी रमणा॥

दुर्बल भील कठारो, जिन पर कृपा करी।
चन्द्रचूड़ एक राजा, जिनकी विपति हरी॥

ॐ जय लक्ष्मी रमणा, स्वामी जय लक्ष्मी रमणा॥

वैश्य मनोरथ पायो, श्रद्धा तज दीनी।
सो फल भोग्यो प्रभुजी, फिर स्तुति कीनी॥

ॐ जय लक्ष्मी रमणा, स्वामी जय लक्ष्मी रमणा॥

भाव-भक्ति के कारण, छिन-छिन रूप धर्यो।
श्रद्धा धारण कीनी, तिनको काज सर्यो॥

ॐ जय लक्ष्मी रमणा, स्वामी जय लक्ष्मी रमणा॥

ग्वाल-बाल संग राजा, वन में भक्ति करी।
मनवांछित फल दीनो, दीनदयाल हरी॥

ॐ जय लक्ष्मी रमणा, स्वामी जय लक्ष्मी रमणा॥

चढ़त प्रसाद सवाया, कदली फल मेवा।
धूप-दीप तुलसी से, राजी सत्यदेवा॥

ॐ जय लक्ष्मी रमणा, स्वामी जय लक्ष्मी रमणा॥

श्री सत्यनारायणजी की आरती, जो कोई नर गावे।

कहत शिवानन्द स्वामी, मनवांछित फल पावे॥

ॐ जय लक्ष्मी रमणा, स्वामी जय लक्ष्मी रमणा॥

AARTI SAMAPT

॥ आरती समाप्त ॥

बोलिए श्री सत्यनारायण भगवान की जय।

satvikly | satvikly.com
सात्विक पूजा सामग्री

WHATSAPP / PHONE
+91 931 178 0821